ईसु को जन्दो हेबो

THE RESURRECTION OF JESUS

Merwari

ईसु को जन्दो हेबो

THE RESURRECTION OF JESUS

Images by © 2021 Sweet publishing.
Prepared By CBL Team.

Merwari
Ajmer, Rajasthan, India

Copyright © 2021, NLCI

http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/
You are free to make commercial use of this work. You may adapt and add to this work. You must keep the copyright and credits for authors, illustrators, etc.

Big Book in Merwari Language
(Red Level Book-11)

प्रकाशनः-
राजस्थान इनिशिएटिव
बंगला न. 34
कुन्दन नगर श्रीनाथ मन्दिर रोड़
अजमेर 305001,राजस्थान

दो बात

प्रभु की दया से हम मेरवाड़ी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे है। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें प्रभु यीशु के म्रत्यु मे से जी उठने के बारे में बहुत ही कम शब्दों में और बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है, जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सकें और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास कर सकें। हमारी यही प्रार्थना है की हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढने लिखने मे सक्षम बन सके।

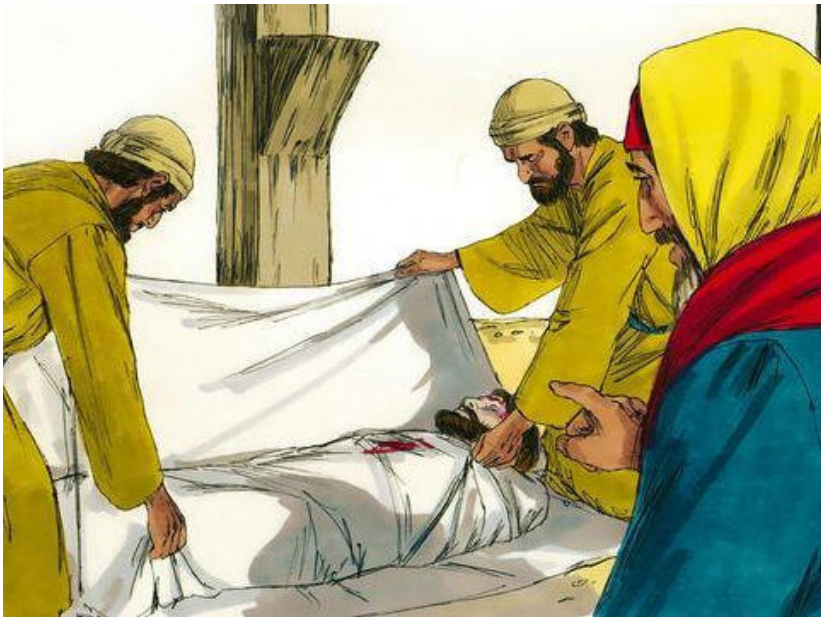

गुलगुता नाऊँ कि ठोड़ परँ जद
ईसु कि करुस परँ मोत हेगि।
तो युसुप नाऊँ को एक भगत
मनक हो जो धरम कि सबा म हो।
बो पिलातुस ऊँ ईसु कि लास
केति पुच्यो ऐर बिन कबर म रक
दियो।

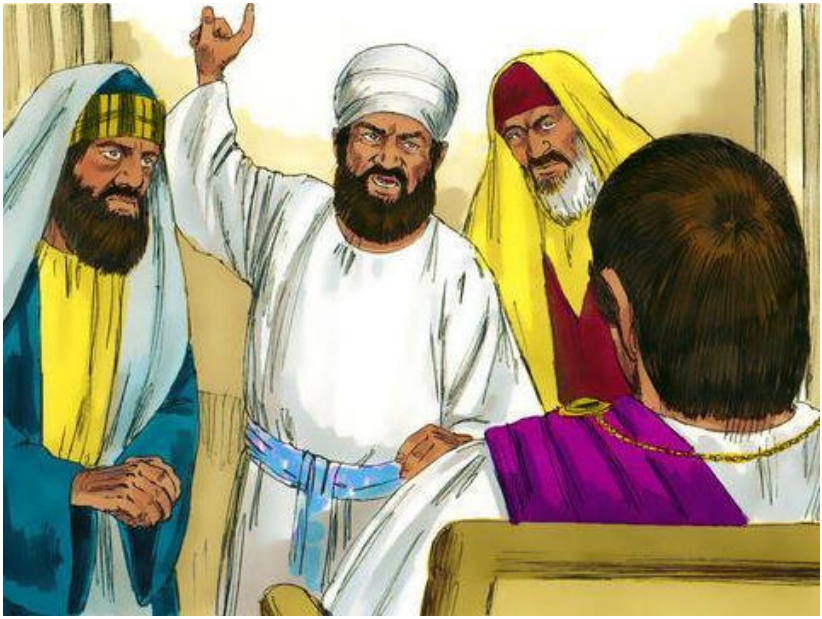

पचँ याजक ऐर शास्त्रि एकटा हेर
पिलातुस ने कियो,
तिजा दन ति ईसु कि कबर कि
रुक्काळि रकवा।
के ईसु का चेला बीकी लास न
छानेक नि ल्येर जा सके।

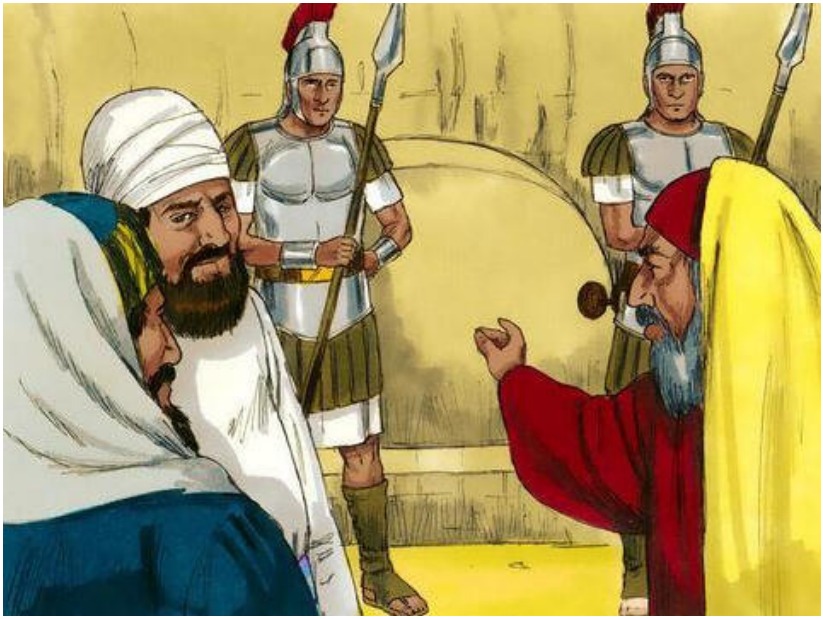

पिलातुस कियो, थे ज्यान चावो
ब्यान बिकि रुक्काळी रकावो ।
फेर बे ईसु कि कबर ने एक बड़ा
हल्लाड़ा ऊँ बन्द कर दियो।
ऐर कबर कि रुक्काळि करबा केति
सपाई बेटाण काडचा।

तिजे दन तड़ तड़का पेलि मरियम
मगदलीनि ऐर दुजि लुगायँ कबर
परँ पल्लि।
बटे पलर बे देकि के कबर परुँ
हल्लाड़ो हटचोड़ो हे,
फेर बे माइनअ गि पण बटे
ब्यानअ ईसु कि लास कोन मलि।

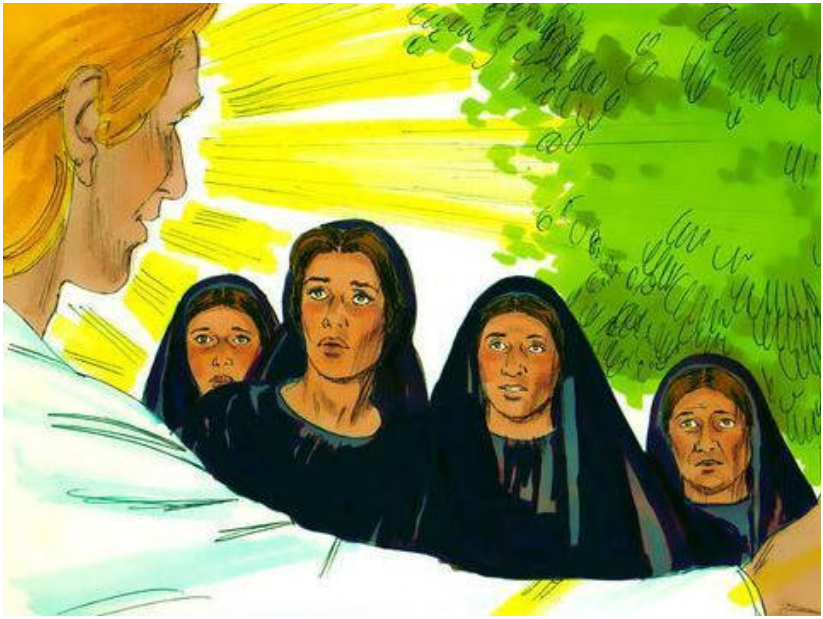

चळचलाट करता गाबा
पेर्योड़ा दो मनक बटे उबा
दिच्या ऐर बे नरि डरपगि।
फेर बे,लुगायँ न कियो थँ
जन्दा न मर्योडँ म चुँ हमाळरि
हो।

आ ठोड़ देको जटे
बिन रच्योड़ो हो,अबँ
बो अटे कोन हे पण
जन्दो हेज्यो हे।

बे कबर ऊँ पाचि आर चेलँ
ऐर दुजा मनकँ न हगळी
बातँ बताई।
पण ब्याँकि बातँ परँ कोई
बस्बास कोन कर्यो।

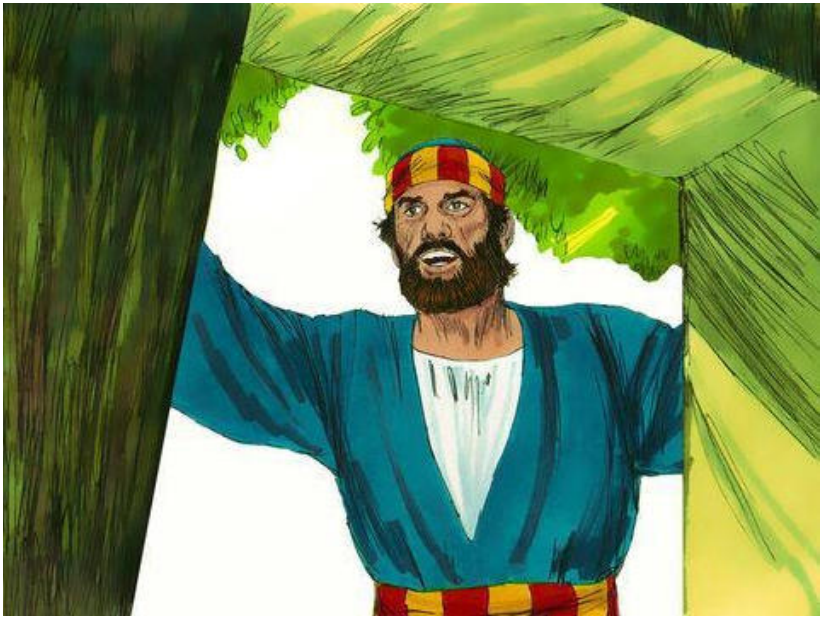

फेर पतरस कबर कन भागर गियो,ऐर कबर म खालि गाबँ न पडचोड़ा देच्या। ऐर बो दातँ के नच्य आँगळय जैतोड़ो घरँ आज्यो।

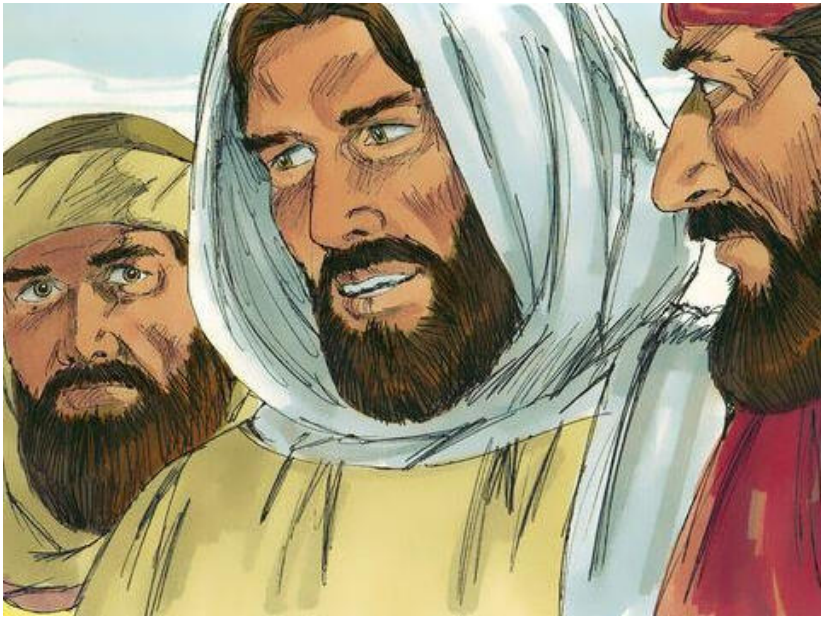

इके पचँ ईसु दो
मनकँ न दिच्यो।
पचँ चेलँ न बि
दिच्यो।

यह किताब एन.एल.सी.आई के द्वारा तैयार की गयी है। हम मातृ भाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अंतर्गत हम अपने क्षेत्र के अलग अलग भागों में सेवा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें और पढ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें। हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते है। इसलिये हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिये जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते है, उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें। हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षण ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिए तथा बच्चों के लिए भी अलग-अलग तरह कि पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे कि बच्चे अपने बचपन से ही अपनी भाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि, हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक
विकास हो सकें।

॥धन्यवाद॥

Let's grow a library
Bloom®